

5214 Sale Deed No. 8-2003 - Suburban

5214 5000Rs.



1/148

Stamp Duty Paid Under The S. M. R. 1960

Handwritten notes and signatures on the left side of the stamp, including a date '12/03' and some illegible text.

Handwritten numbers and scribbles in the middle section: 4020=0, 9=0, 70=18, 7028=8K.

Vertical handwritten text on the right side: सदी महेरा पाव सो. पचहत्तर हजार... 92000/ चुकती पाक (मौजा सदिलवा) का जमिन 99 इ. 3. पाव बा 16 इ. 3. को बिक्री किया 4 वा 10/ 46 वाक (सम) किया वा. 20/14/04 चन्ड 9मी

ना. 92-8-2003

(1) लेखनकारी श्री महेरा पाल पिता स्व
का नाम धनंशर पाल जति गड़री लकिन
वी ब्रापता: सहजना काना गढवा जिल
गढवा जिला गढवा पिक्रा
विही राठदीपना-माहीपी
शपथ पत्र सं. 604 दिनांक 92-7-03
किया



(2) लेखनकारी श्री श्री मानुमती देवी पति श्री
का नाम हीरादेव महेरा कानपम जति
वी ब्रापता: कोइरी लकिन सहजना काना
गढवा जिल गढवा जिला गढवा
पिक्रा गढवाकी राठदीपना-माहीपी
शपथ पत्र सं. 606 दिनांक 92-7-03
किया

Vertical handwritten text on the right side of the second section: सदी गायल चन्डना, मेरे सामने महेरा, पाव न शपना वाप्रा, 20/06 का गिशाज, वनापी ना 92-8-2003



2

(3) लीलाप्रकाश - विष्णु-पुत्र (केवला
बनला कलाम)

(4) अरुणकान्त - गि० १५,००० - पंचदश दशा
रुपया मात्र
गि० २० - २५,००० - विजाली
दशा रुपया

(5) पद्मिनी - गवात्री ११^३/_४ पौन वारहडोल्लो
अगिन धान रिकट तेन अगिनि
व लक्ष फसला अगिन १^३/_४
गौत्रा - सिद्धिअग्न आग्न गढवा अग्न
गढवा में विष्णु वृद्धि अग्न अग्न
विष्णुअग्न अग्न अग्न अग्न
गवापतिलका अग्न अग्न अग्न
अग्न अग्न आपनी अग्न अग्न
अपने दिले की अग्न अग्न
अग्न अग्न

सेधा महेरा पाल ना. गापलचन्द्र

ता १२-२-२००३



गवाह: -
अकदुल करीम खान
वसुका नवीस।
गढवा।
१२-०८-०३



3

~~दिल्ली की जा रही थी पंचकाली
 सि नदी तट पर और वहाँ जा निवृत्त
 परिवर्तन तट पर जमीन मिली है जो
 पहुँच पव्य नदी है जो कृषि को प्रोत्साहित
 है~~

~~आगा - 70 - विवर - सिव - 266 - 26 - 2
 सिव विवर 70~~

~~वारा - 70 - विक्री - जैदी
 962 - 202 - 90 3/8~~

~~पुनर् - 70 - जैदी
 8146 - 201 - 09
 पंच - 70 - 00
 सिव - 70 - 00~~

(30) अरुण सिंह कौट
 (40) कृष्ण मानमती देवी
 (20) कृष्ण मानमती देवी
 (40) गिजरा प्रसाद
 (पन्द्रहवीं) इत्यादि।

सही मंदेशा पाए वी. गी. पा. ल. च. 2
 92-2-2003



गवाह
 काशी नाम की कन्या
 92/2/03
 नाईक गी. पा.

(1) (2) 99 3/8 जैदी खाए डिल्ली



~~मालूम नही। जालाना मो 0.25 लाना~~
~~अलाय ब्रीज। मालिक मालानु लाना~~
~~द्वारा अचल परधिकारी जेवा।~~
~~विपरीत ही कि उपरोक्त जालाना जालाना~~
~~जांच की समझि करणकारी की समझि~~
~~मौलुमि अपन दिहले की समझि~~
~~और निविदा परवल-कब्रों में~~
~~तैका माह-मुक्त है वस पा कियो~~
~~प्रकार की श्रुपा या वारिफिग~~
~~नही है हर तरह सि पाक~~
~~की जाफ है।~~
~~इस समझ करणकारी की समझि~~
~~की जाफ जेवा है वाहि लानव~~
~~का दूसरा समझ खोपिने के लिपे~~

मही महेरा पालवा. भापाल चयनक
 का 92- 2-2003

10 2222 जाल
 जीरामहेराजाल
 सहीडन 92-2-03



जो कील गीत को विक्री किने
 लपके का इन्टरम गदी हो (कताई)
 में लेखकारों ने रचना साठवा
 पांच में का फुल प्रसिद्धि को विक्री
 काने का विचार किया जो लपके
 अधिक मूल्य पर उपेक्षा करती ही
 गरी मानगरी देवी ने मोठ १५०००
 पय हरे हरे लपके में लपके
 लपके किना जो काने कल के पा
 ली वाक्यो वी काफ़ी हल
 में लेखकारों ने रचना साठवा पांच
 में का फुल प्रसिद्धि को मोठ १५०००
 पय हरे हरे लपके लपके मुल गरी
 मूल पाक उपेक्षा करती ही गरी मानगरी
 देवी के हाथ विक्री किना लपके इन्टर
 प्रसिद्धि पर एक परल काने काने ली ही
 लपके का किना काने काने ली ही

सदा मेहरा पाल वा. ११/५/२००३
 ता १२-२-२००३
 पिता वाक्य किदाह पाल
 ग्राम सदिपला
 गा. ११/५/२००३
 सि. गोपाल चन्द्रवर्मा मेर
 सामने रत्न पाल न कपल
 वाक्य काने का किदाह न गान १२-२-२००३



उक्त अधिन में क्या जा क्या कपीका
 लोग सौते-काइ का फल लगे व कर
 की अपन गहाप में लगे सौ पौं
 का विस विने प्रका का कोई हिला-
 फाला हम जा हमो वारीमान जा
 उताधिकारी को भविष्य में नही होगा।
 उक्त सम्पत्ति का कुल हवरव वी अधिक
 उपोक्त क्या का हलाकति का विना
 लोपका के जाया अकल गरी
 के नाम से जमेलाग मापन हाका
 गिरी में विमान पल रहा है जिका
 रसिद कही है मांग प्रो न ११८ में ही
 क्या उक्त सम्पत्ति का मापन हाका के
 गिरी में दारवेल-कारे काक माल
 माल व माल दिना का औत् सिद
 लिप्य का है
 सिद रकतपानी पर्दा में सिद गरी
 का सिद गरी को सिद गरी पितान
 धनपाल गरी के नाम से पूं है

सहा संदेश १५८ वी-१११५१८ चरुपका

ता १२-८-२००२





~~सिद्ध गौरी के एक मात्र पुत्र कनकगौरी~~
~~कनक गौरी के तीन पुत्रान (१) रामनगर~~
~~(२) मनु मगर (३) पद्मव्य मगर उर्फ नन्दक मगर~~
~~सिद्ध गौरी के एक मात्र पुत्र अनन्तपाल~~
~~अनन्तपाल के एक मात्र पुत्र गिरीपाल ही~~
~~हीमन गौरी का वरद गुरु है जो~~
~~श्री लोचनाजी अपना दाम-दाम दुबलिया~~
~~के बिला किये के पाल के वरदान के~~
~~अपना नाम - मुकामान को रजामने हुए मन~~
~~की शोरी के विवेका के हाल में यह~~
~~विद्वान-पुत्र लाय दिया कि समस्त प~~
~~काम अवि और प्रमाण रहे उपरि~~
~~सम्पत्ति गीलाहवा आम के पास तथा~~
~~वासीयों के अन्तर्गत अमीन गरी~~
~~मैल नाम जिला के जिले में तथा अमी-~~
~~दियों की सूची में नहीं है~~
~~इस परामर्श एवं विवेकान प्रारि उन~~
~~की का दुःख-दुःख और लक्ष्मी प्रीति~~
~~है~~

श्री महेन्द्र पाल
 का. ग. ग. पाल चण्ड १११
 दि १२-२-२००३



का. ग. ग. पाल
 का. ग. ग. पाल चण्ड १११
 का. ग. ग. पाल चण्ड १११
 का. ग. ग. पाल चण्ड १११
 का. ग. ग. पाल चण्ड १११

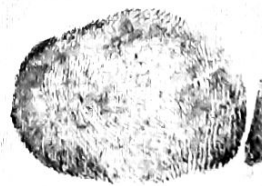
अशहर नाम - सहिजना
 ग्राम - गढ़वा, नम्बर - 384

पैगाना व हिलाब की मील 98 ई.स.।
 सन 9-1-98 - 92 ई.स.।



खिरी की जा रही जमीन ग्राम - सहिजना में पंचकालनी से आगे
 स्थित है, जिसे लाल रंग से दर्शाया गया है।
 प्रमाणीय किया जाता है कि मूलदस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति
 एक दूसरे का हू के हू है। Map prepared by: A. K. Khan.

Amin. Uchari, Faridkot-12-05-03



श्री गीतुल जाल
 वा 0 अमोक्त कुम्भ
 केसरी राय
 981-703



श्री मानमोदी
 वा 0 अमोक्त कुम्भ
 केसरी राय
 981-703